educate the people so that the problem is solved.

13.21 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Need to construct an airport near Simla

श्री कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी (शिमला) : उपाध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश सम्भवतः देश में एक मात्र राज्य है जिसकी राजधानी देश के दूसरे भागों से हवाई सेवा से जुड़ी हुई नहीं है। भारत सरकार के नागरिक उड्डयन तथा पर्यटन मंत्रालय ने शिमला के निकट जब्बर हट्टी में हवाई अड्डा बनाने की योजना स्वीकृत की है। 15 अप्रैल, 1982 को तत्कालीन केन्द्रीय उड्डयन तथा पर्यटन मंत्री ने इसका शिलान्यास रखा। तत्पश्चात् हिमाचल राज्य सरकार ने इस हवाई अड्डे के निर्माण का कार्य आरम्भ किया।

केन्द्रीय पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय तथा हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच हुई बातचीत के आधार पर हिमाचल सरकार ने इस हवाई अड्डे को शिमला से जोड़ने के लिये लगभग 20 किमी० पक्की सड़क का निर्माण कर लिया है। अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण कर ली है और किसानों को मुआवजा स्वयं दिया है और विस्थापित परिवारों को भी अपने खर्च पर फिर से बसाया है।

इसके अतिरिक्त हवाई पट्टी बनाने के लिए पहाड़ को काटने का काम हिमाचल लोक निर्माण विभाग द्वारा किया गया जिस पर लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक व्यय हुआ।

शिमला में हवाई अड्डे का होना न केवल यातायात की सुविधा के लिये ही आवश्यक है बल्कि पर्यटन के विकास के लिए भी अतिआवश्यक है। अतः मैं केन्द्रीय पर्यटन एवं नागरिक मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूं कि वह इस हवाई अड्डे के निर्माण के लिए तुरन्त प्रभावशाली पग उठायें तथा इसके लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था करें। मेरी यह भी प्रार्थना है कि इस अड्डे का निर्माण पूर्व योजना के अनुसार हो और शिमला के लिए एक आधुनिक एवं सर्व-सुविधा युक्त हवाई अड्डे की सुविधा प्रदान करे।

(ii) Need to take steps to protect 'bees' from 'sake wood' disease in Bihar

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष जी, मधुमक्खी पालन उद्योग भारत में अन्य देशों की तरह सरकारी, गैर-सरकारी एजेन्सियों द्वारा चल रहा है। उत्तर भारत में बिहार मधुमक्खी पालन उद्योग के लिए, अब तक काफी अनुकूल साबित हुआ है। मधुमक्खी पालन उद्योग बिहार में सीमान्त किसान, मजदूरों के लिए वरदान साबित हुआ है। वे इसे अपनी जीविका का आधार बना खुशहाली का जीवन जीते हैं। मुजफ्फरपुर, वैशाली, पूर्वी चम्पारण आदि बिहार के जिलों में हजारों टन मधु का उत्पादन साधारण बात हो गयी थी।

पर मधुमक्खी वंश में विगत चार वर्ष पूर्व (सन् 1979-80) से एकाएक कोप शिशु रोग (सिक ब्रुड) नामक एक अन्य, विषाणु रोग जो जातक को संक्रमित करता है देखा गया। यह रोग दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। इस रोग की रोकथाम के लिए पालक बिहार के सरकारी, गैर सरकारी एजेन्सियों के पदाधिकारियों ने संबंधित वैज्ञानिकों की मदद लेने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। इसकी जांच एवं रोकथाम के लिए खादी ग्रामोद्योग आयोग, केन्द्रीय मधुमक्खी पालन अनुसंधान पुणे में प्रयोग हो रहा है। अन्य देश के वैज्ञानिक भी इस रोग की रोकथाम में लगे हैं। यह रोग प्रान्त के अन्य जिलों, पटना, रांची आदि कई जिलों में भी फैल गया। जो पालक इस रोग की चपेट में आ गये वे बेसहारा और भुखमरी के शिकार बन गये।

समय पर अगर इस रोग की रोकथाम नहीं हुई, तो सारे भारत के मधुमक्खी वंश का सर्वनाश निकट भविष्य में हो जायेगा।